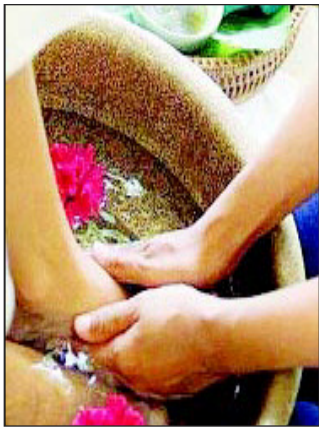




सब का सपना



निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

न करें पैरों को नजरअंदाज

पेज : 7

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 126

सोमवार 10 अगस्त 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

ममता बनर्जी पर हमले को लेकर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बीजेपी नेता सुवेद अधिकारी को घेरा
बंगाल: पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी को रविवार को उत्तर 24 परगना जिले में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। बीजपुर इलाके में पुलिस कस्टडी में मारे गए एक टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जाते समय प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे लगाए और उनकी गाड़ी पर कीचड़ व पत्थर फेंके। ममता दीदी पर हत्या की नीयत से हुआ हमला इस हमले के बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बीजेपी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "आज हम उस पीड़ित कार्यकर्ता के घर गए थे, जिसे पुलिस ने एक ऐसे केस में उठा लिया था जिसमें उसका नाम FIR तक में नहीं था। जब पूर्व सीएम ममता बनर्जी वहां पहुंचीं, तो हमारे आने से पहले ही बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंकने शुरू कर दिए।"

दक्षिण भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है पुडुचेरी पुलिस : गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस कलर प्रदान किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कम संसाधनों के बावजूद पुडुचेरी पुलिस ने मेहनत, वीरता, सेवा और समर्पण से यह सम्मान अर्जित किया है। पुडुचेरी में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने पुलिस को राष्ट्रपति का चिह्न भेंट किया। इस दौरान, अमित शाह ने कहा कि 5,000 से कम कर्मियों वाली पुडुचेरी पुलिस ने कड़ी मेहनत, वीरता, सेवा भाव और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इसी वजह से उसे यह सम्मान मिला। साथ ही पुलिस ने पुडुचेरी की आध्यात्मिक विरासत की रक्षा भी की है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आज आप सभी को राष्ट्रपति कलर का बड़ा सम्मान



मिलने पर बहुत-बहुत बधाई। हमारा पुडुचेरी दक्षिण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। गृह मंत्री ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ किसी फाइल या सरकारी आदेश से नहीं मिला है। यह

पुलिस के कठिन परिश्रम, वीरता, सेवा और समर्पण से मिला है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी पुलिस की बहादुरी और समर्पण पुलिस के इतिहास में ह्यस्वर्णिम अध्यायहू के रूप में याद रखा जाएगा। अमित शाह ने कहा

कि पुडुचेरी की आध्यात्मिक चेतना को श्री अरविंदो और श्री मां के आश्रम से ताकत मिली है। इसी ने देश को आध्यात्मिक दिशा दी है। उन्होंने कहा, 230 साल तक फ्रांसीसी शासन के अधीन रहने के

जब कोरोना पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती....
अमित शाह ने कोरोना महामारी के दौरान पुडुचेरी पुलिस के काम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, जब कोरोना पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया था, तब मैं गृह मंत्रालय से सभी राज्यों और खासकर केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति की नियमित समीक्षा करता था।

बावजूद पुडुचेरी ने अपनी भारतीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा को बचाकर रखा है। अमित शाह ने कोरोना महामारी के दौरान पुडुचेरी पुलिस के काम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हूजब कोरोना पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया था, तब मैं गृह मंत्रालय से सभी राज्यों और खासकर केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति की नियमित समीक्षा करता था। उन मुश्किल दिनों में पुडुचेरी पुलिस सबसे आगे खड़ी रही।

बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं की सेवा में उसने बड़ी बहादुरी दिखाई। मैं हमेशा आपकी निष्ठा और समर्पण को याद रखूंगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ब्रिटिश कालीन कानूनों को बदलकर तीन नए भारतीय आपराधिक कानून लागू किए हैं। इन कानूनों का उद्देश्य सजा देना नहीं, बल्कि नागरिकों को न्याय देना है। उन्होंने कहा, नए कानून तीन स्तंभों पर

आधारित हैं, जिनमें टेक्नोलॉजी, टाइमलाइन और ट्रस्ट शामिल हैं। अब न्याय प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और भरोसेमंद बनेगी। बता दें कि राष्ट्रपति पुलिस कलर भारत में किसी पुलिस बल या सैन्य इकाई को मिलने वाला सर्वोच्च सम्मान है। इसे ह्यनिसानहू भी कहा जाता है। यह पुरस्कार बेहतरीन काम, बहादुरी, अनुशासन और अच्छी सेवा के लिए दिया जाता है।

उत्तराखंड पहुंचे मल्लिकार्जुन खड़गे का बीजेपी पर हमला, राम मंदिर चढ़ावा विवाद और छात्रों के आंदोलन पर मांगा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर दौर पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की तैयारियों पर बात की। पार्टी नेताओं के दौरों पर उठ रहे सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "मैं एआईसीसी अध्यक्ष हूँ और हर दिन नहीं नहीं आ सकता, लेकिन हमारी पूरी टीम और कार्यकर्ता यहाँ जमीन पर डटे हुए हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा या नए बीजेपी अध्यक्ष यहाँ रोज आते हैं? हम तब आते हैं जब कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाना होता है। हम यहाँ पर्यटकों की तरह घूमने नहीं आते।" राम मंदिर दान विवाद पर प्रधानमंत्री से जवाब की मांग राम मंदिर के दान



और चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दे पर खड़गे ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मंदिर की संपत्ति में गड़बड़ी का मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस ने ही उठाया था। खड़गे ने कहा, "ट्रस्ट के सदस्यों की नियुक्ति से लेकर मंदिर का उद्घाटन, पूजा की शुरूआत और झंडा फहराने तक का सारा काम प्रधानमंत्री ने खुद किया। जब सब कुछ उन्होंने ही तय किया है, तो अब इस विवाद पर उन्हें

संसद में आकर देश को जवाब देना चाहिए। एफसीआरए और परिसीमन के मुद्दे पर पार्टी का रुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े सरकार के कदमों का विरोध करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कल सर्वदलीय बैठक और फ्लोर लीडर्स की चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। परिसीमन

के सवाल पर उन्होंने साफ किया कि लोकतंत्र में किसी के विचारों को दबाया नहीं जा सकता, लेकिन कांग्रेस का रुख बिल्कुल स्पष्ट है और पार्टी सभी दलों के सर्वसम्मत फैसले का समर्थन करेगी। 'छात्रों की गुंज' पर बोले खड़गे रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में धांधली को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन पर बोलते हुए खड़गे ने राहुल गांधी की सराहना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने ही सबसे पहले इस मुद्दे को उठाया, कोटा जाकर छात्रों से बात की और इस आंदोलन को राष्ट्रीय पहचान दी। छात्रों को राहुल गांधी के अभियान से बड़ा प्रोत्साहन मिला है और आज वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा रहे हैं।

रांची एजेंसी: रांची में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली का विरोध कर रहे युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय दिलाने का वादा किया है। 'झारखंड आदिवासी दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि घर की समस्याओं का समाधान बातचीत से ही निकल सकता है, लाठी या बंदूक से नहीं। हथियार तो सीमा पर दुश्मनों का सामना करने के लिए होते हैं। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। विपक्ष पर राजनीति करने का लगाया आरोप मुख्यमंत्री ने बीजेपी और अन्य विरोधी दलों पर झूठ फैलाकर राज्य के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि



कुछ लोग अपने फायदे के लिए राज्य के माहौल को खराब करने और आंदोलन का राजनीतिकरण करने में लगे हैं। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए नीट पेपर लोक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां युव-ओं पर लाठियां चलाई गईं और उन्हें देशद्रोही तक कहा गया, लेकिन झा-

रखंड सरकार छात्रों पर बल प्रयोग करने के पक्ष में नहीं है। सोरेन ने कहा, छात्रों को दिलाएँ न्याय हेमंत सोरेन ने कहा कि युवाओं की चिंता उनकी अपनी चिंता है। उन्होंने कहा, "हमने चोरी पकड़ी है और हम ही न्याय दिलाएँ।" इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से

अपील की कि वे अपने आंदोलन के लिए किसी राजनीतिक दल का सहारा न लें, क्योंकि न्याय पाना उनका अधिकार है और सरकार इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 16वें दिन भी जारी रहा प्रदर्शन और छठे दौर की बातों भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन रविवार को 16वें दिन में प्रवेश कर गया, जिसमें 6 छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इस बीच, रांची के राजकीय अतिथि गृह में सरकार और आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों के बीच छठे दौर की बातचीत हुई। छात्र जेपीएससी और जेएसएससी में सुधार के साथ-साथ पूरे मामले की जांच सीबीआई या राज्य से बाहर के उच्च न्यायालय के रिटायर जज की कमेटी से कराने की मांग कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर शौर्य तो रक्तदान अभियान करुणा का प्रतीक, दिल्ली में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली एजेंसी: राजधानी दिल्ली में सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा के दूसरे साल के कैपेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को देश के जवानों के प्रति नागरिकों की बड़ी जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां एक तरफ पूरी दुनिया को भारत की ताकत और पारक्रम दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की दया और संवेदनशीलता का प्रतीक है। शौर्य और करुणा का अनोखा मेल राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना की वीरता का प्रतीक था, जबकि यह रक्तदान यात्रा करुणा का दूसरा रूप है। उन्होंने कहा कि जिस तरह जवान सरहद पर देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, उसी तरह आम



नागरिक भी ब्लड डोनेट करके घायल जवानों की मदद कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस समय सेना ने सीमा पार जाकर भारत के लोगों की सुरक्षा पक्की की थी, और आज हम यह कसम खा रहे हैं कि देश की सेवा में घायल किसी भी सैनिक की जान खून की कमी से नहीं जाएगी। यही भावना भारत की असली ताकत है। दुश्मनों को दिया करारा

जवाब रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने बॉर्डर पार जाकर उन लोगों की सख्त संदेश दिया था, जिन्होंने देश के मासूमों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। उस समय हमारी सेनाओं ने अपनी हिम्मत और बहादुरी का लोहा मनवाया था। अब देश के अंदर रक्तदान करके अपने बहादुर सैनिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का वक्त है।

प्रयागराज के छात्र से बातचीत का हवाला देकर राहुल गांधी ने देश के युवाओं की बेवसी पर जताया दुख

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और अक्रामक पोस्ट लिखकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। प्रयागराज में एक छात्र से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सालों तक मेहनत करने, घर-जमीन बेचने और कर्ज में डूबने के बाद भी आज देश का युवा खाली हाथ खड़ा रहने पर मजबूर है। राहुल गांधी के अनुसार, यह नाकामी किसी छात्र की नहीं, बल्कि उस कमजोर व्यवस्था की है जो युवाओं की मेहनत का सही फल देने में नाकाम रही है। अमित शाह की चुप्पी पर सवाल राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे छात्रों पर हुए पुलिस बल प्रयोग पर गहरा दुख और गुस्सा जाहिर

किया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि युवाओं पर लाठियां और पैलेट गन चलाए जाने के बावजूद सरकार का कोई भी प्रतिनिधि जवाब देने को तैयार नहीं है। हक और जवाबदेही की आवाज को दबाया नहीं जा सकता विपक्ष के नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार चाहे जितनी भी अनदेखी कर ले, युवाओं के हक और जवाबदेही की मांग को दबाया नहीं जा सकता। इससे पहले प्रयागराज में आयोजित 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम के दौरान भी राहुल गांधी ने युवाओं के सामने देश के मौजूदा ढांचे की हकीकत रखी थी। उन्होंने 'दर्द, डेटा और दौलत' का गणिता समझाते हुए कहा कि आज मेहनत और डेटा आम जनता का है

नीट विवाद के बाद इस्तीफा देने वाले धर्मेन्द्र प्रधान बोले, मेरे लिए मंत्री पद युवाओं से बड़ा नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के लगभग दो हफ्ते बाद बीजेपी के बड़े नेता धर्मेन्द्र प्रधान ने इस पूरे मुद्दे पर पहली बार खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लोक विवाद के समय हुए आंदोलन के दौरान युवाओं को भड़काने और गुमराह करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके लिए मंत्री की कुर्सी कभी भी देश के युवाओं से ज्यादा बड़ी नहीं रही। जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों से बात करते हुए धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि जेन जी देश का फ्यूचर है और उनकी अपनी सोच और सपने हैं। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने नीट विवाद का फायदा उठाकर युवाओं को गलत रास्ते पर भेजने की कोशिश की। प्रधान ने कहा कि उन्होंने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर इस्तीफा की बात कही थी और आखिरकार 25 जुलाई



को उन्होंने अपना पद छोड़ दिया। पद मेरे लिए कभी खास नहीं रहा धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि वह जेन जी को अपने बच्चों की तरह मानते हैं। उनके लिए शिक्षा मंत्री का पद कोई पर्सनल मुद्दा नहीं था, बल्कि देश के युवाओं की उम्मीदें ज्यादा जरूरी हैं। आपको बता दें कि नीट पेपर लोक विवाद के 'धर्मेन्द्र प्रधान वापस छात्रों ने लंबा प्रोटेस्ट किया था। छात्रों की मांग थी कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, पेपर लोक रोकने के लिए सख्त कानून बने और एजाम सिस्टम को सुधारा जाए। इसी दबाव के चलते

उन्होंने 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था। नवीन पटनायक पर बोला हमला ओडिशा के एक इवेंट में धर्मेन्द्र प्रधान ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में युवाओं का इस्तेमाल किया गया। रायरखोल में बीजेडी कार्यकर्ताओं के 'धर्मेन्द्र प्रधान वापस जाओ' के नारों पर उन्होंने कहा कि वह ऐसे प्रोटेस्ट से डरने वाले नहीं हैं। वह एक किसान के बेटे हैं और अपने आप में एक अनुकरणीय कार्य है। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 31 विभूतियां का दिल्ली गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया है। सम्मान

दिल्ली की 31 विभूतियां दिल्ली गौरव सम्मान से अलंकृत, अर्जुन राम मेघवाल ने गरिमापूर्ण व्यक्तित्व के सम्मान को बताया समाज का दायित्व

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था द्वारा देश की राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय में पहली बार आयोजित दिल्ली गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गरिमापूर्ण व्यक्तित्व का सम्मान, समाज का दायित्व है। ऐसे में दिल्ली की विभूतियों को सम्मानित करना अपने आप में एक अनुकरणीय कार्य है। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 31 विभूतियां का दिल्ली गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया है। सम्मान

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ह्यनिकंठ तथा राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की उपस्थिति रही। इस दौरान मेघवाल ने कहा कि संस्कृति युवा संस्था द्वारा जिन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है, वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिल्ली का नाम रोशन कर रही हैं। हमारी भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का दायित्व युवाओं पर है। डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व है। इस प्रकार के



आयोजनों से ऐसी प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। इससे अन्य लोग भी प्रोत्साहित होते हैं और युवा पीढ़ी को उनके

पदचिह्न पर चलने का मार्गदर्शन मिलता है। पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने संस्कृति युवा संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था देश के युवाओं को

भारतीय संस्कृति की ओर पुनः आकर्षित करने के लिए जो प्रयास कर रही है, वे प्रशंसनीय हैं। युवाओं को भारतीय संस्कृति का बोध कराना और उन्हें इसके संरक्षण एवं संवर्धन

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था द्वारा देश की राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय में पहली बार आयोजित दिल्ली गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

के लिए प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा देश की बड़ी मैराथनों में शामिल जयपुर मैराथन का आयोजन पिछले 16 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में धावक भाग लेते हैं। इसके अतिरिक्त संस्था देश-विदेश की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए भारतीय संसाद से

केंद्र की प्रभारी राजयोगिनी बी.के. लक्ष्मी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक स्वामी प्रेम अन्वेषी महाराज, आ-ईएफएस एवं पूर्व विदेश सेवा अधिकारी अखिलेश मिश्रा, नोएडा फिल्मसिटी एवं मारवाह स्टूडियो के संस्थापक डॉ. संदीप मारवाह, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एवं रामलला (अयोध्या) के डिजाइनर मनीष त्रिपाठी, ड्रीमफोकस सर्विसेज लिमिटेड की संस्थापक, चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर लिवराथा कल्लाट, ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (इंडिया) के संस्थापक अध्यक्ष गौरव गुप्ता, टेक्नोलॉजी विजनीर, ए आई एवं

संपादकीय

पर्यटन की सीमा रेखा

पर्यटन की सीमा रेखा का उल्लंघन अंततः प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की ट्रंसफर सुनिश्चित कर गया। कथित रेव पार्टियों के आयोजन में प्रशासन की सुस्ती और इस तरह की गतिविधियों को पर्यटन मान लेने की गलती का नतीजा यह कि देश के कानून ने अधिकारियों के रवैये को सही नहीं माना। कुल्लू जिला के एस्प्री और डीसी को सर्वोच्च अदालत से भी राहत नहीं मिली। नतीजतन ये अफसर हटाने पड़े। यहां यह समझने की जरूरत है कि पर्यटन और पर्यटन में मनोरंजन में क्या सही और क्या गलत है। रेव पार्टियां पहले से ही पर्यटन की कुख्यात सहेलियां हैं, जो अवांछित गतिविधियों और नशे की दुकान की तरह, परिवेश के लिए चुनौती हैं। कुल्लू के कसौल क्षेत्र या पार्वती घाटी के अमन में छेद करता पर्यटन इतना निरंकुश कैसे हो सकता है कि मनोरंजन के नाम पर नशा चल जाए। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ दिया गया बड़ा फैसला माना जाना चाहिए, जहां प्रशासनिक लापरवाही दंडित हुई है। पर्यटन की प्रवृत्ति में अपराध की कई संज्ञाएं शिरकत कर रही हैं। इसके श्याम पक्ष का एक चित्रण अदालत के फैसले में हुआ, तो कई तरह के अपराध पर्यटन के बहाने हिमाचल को बदनाम करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि पर्यटन के साथ अपराध का एक संगठित स्वरूप भी कार्यरत है। अंतरराज्यीय अपराध की कई शाखाएं इस बहाने प्रदेश के माहौल को तार-तार कर रही हैं। दुर्भाग्यवश हमने सस्ता पर्यटन, बिगड़ैल व्यापार और पूरे उद्योग को धंधा मान लिया, जबकि यह अति कोमल, सुसंस्कृत, शिष्टाचारी व सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए। हम मलाणा क्रीम के ब्रांड के नीचे पवित्र कैसे रह सकते हैं। दरअसल हमने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नाम पर इजरायली पर्यटन को विस्तार देते हुए कसौल और धर्मकोट को मिनी इजराइली बना दिया, तो घरेलू पर्यटन को तीर्थ यात्रा का अति साधारण पक्ष मान लिया। तीर्थ यात्राओं का अपना महत्त्व व विशेषता हो सकती है, लेकिन ये तो लंगर सेवा और आवांछित तत्वों के आगमन का खुला रास्ता बन गए।

वितन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मों ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल ब्रूता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भागा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर बूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



डॉ श्रीगोपाल नारसन

बार बार प्रचारित यह किया जा रहा था कि इस बार कांग्रेस हाईकमान उत्तराखंड में सीमित पदाधिकारियों को लेकर अपनी टीम का गठन करेगी।कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने भी पूछने पर यही संकेत दिए थे, लेकिन अब जो कार्यकारिणी सामने आई है ,उसने संख्या बल के पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ दिए है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के नेताओं को तो जिम्मेदारी दी गई है,उनकी संख्या इतनी बढ़ा दी कि पद का ही महत्त्व कम हो गया है।प्रदेश कांग्रेस



सुनील कुमार महरा

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं।

विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहास:- विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूँगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्रोतों

से ईंधन के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है। भारतीय लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं है। संसद वह सर्वोच्च मंच है जहाँ देश की जनता की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ,असहमति और समस्याएँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। दोनों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है।

वर्तमान मानसून सत्र की तस्वीर इस लोकतांत्रिक भावना के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन की कार्यवाही में व्यवधान के कारण अपेक्षित गंभीर चर्चा से दूर रह गए हैं। सत्र के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यह सत्र संसदीय इतिहास में विधायी कार्यों के साथ हंगामे और गतिरोध के लिए भी याद किया जा सकता है। संसद में संख्या बल की अपनी वास्तविकता है। सरकार के पास बहुमत है तो उसे कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। विपक्ष के पास संख्या कम है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी आवाज का महत्व कम हो गया। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बनाता है। विपक्ष सरकार को आँदना दिखाता है। दोनों की भूमिकाएँ अलग हैं। दोनों की जिम्मेवारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसी संसदीय वातावरण में 2029 के आम चुनाव से पहले परिसीमन का प्रश्न देश की राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह केवल लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। इसके साथ देश के संघीय ढाँचे, राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व,जनसंख्या नियंत्रण और महिला आरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं। इस वर्ष केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटों का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व के पुनर्संयोजन के साथ महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को प्रभावी बनाने की संवैधानिक राह तैयार करना भी था। मगर इस प्रस्ताव को आवश्यक राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत प्राप्त नहीं कर पाया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे जुड़ी परिसीमन संबंधी प्रक्रिया भी उसी समय रुक गई। इसलिए वर्तमान स्थिति में 850 सदस्यीय लोकसभा की कोई अंतिम और लागू व्यवस्था नहीं है। 2029 के चुनाव से पहले यदि इस दिशा में कोई नया संवैधानिक प्रयास होता है तो उसे संसद की निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक

कार्यकारिणी में गोदावरी थपलियाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष, 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव और 107 नेताओं को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं के साथ कुछ युवा चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।वही भाजपा ने इसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया बताया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन कर दिया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कार्यकारिणी समिति, घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति के गठन की घोषणा की गई है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हों गई है।

प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ नेताओं गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गुरदीप सिंह सग्गल, काजी निजामुद्दीन,

करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, भुवन चंद्र कापड़ी समेत 41 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष विधायक भुवन कापड़ी को बनाया गया है।समिति में डॉ.प्रेम बहुखंडी संयोजक बनाये गए है, जबकि गुरदीप सिंह सग्गल, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल सदस्य बनाए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की कमान विक्रम सिंह नेगी को सौंपी गई है। वहीं एसआईआर समिति के अध्यक्ष मनोज रावत होंगे। चार्जशीट समिति की अध्यक्षता पूर्व पीसीसी चीफ करन माहरा करेंगे, जबकि इस समिति में मनोज रावत, डॉ. प्रेम बहुखंडी और डॉ. प्रतिमा सिंह को सदस्य बनाया गया है।इतने बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति और टिकट बंटवारे व गुटबाजी को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और गुस्साबुगहट भी शुरू हो गई है। एसआईआर कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मनोज रावत के साथ ही कमेटी में अमरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट संदीप चमोली को सदस्य बनाया गया है। पीसीसी की नई कार्यकारिणी में जिन 24 नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।उनमें हेमश खर्कवाल, विजय सारस्वत, सूर्यकांत धस्माना, धीरेंद्र प्रताप, राजकुमार, मनोज रावत, सतीश नैनवाल, लालचंद शर्मा,

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरुआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है।

जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम:-

भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाते से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

जैव-ईंधन और संभावनाएं:-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या

फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है। किसानों के लिए यह केवल फसल पैदा करने तक सीमित आय का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से अतिरिक्त आर्थिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर भी बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में जैव-ईंधन की भूमिका:-

जैव ईंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टिकाऊ तरीके से उत्पादित जैव ईंधन जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जीवन-चक्र के आधार पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। साथ ही कृषि और जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में होने से खुले में कचरा तथा कृषि अवशेष जलाने की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जैव ईंधन को हर परिस्थिति में पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल मानना उचित नहीं होगा। यदि जैव ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों, भूमि और जल संसाधनों का अत्यधिक दौरेबान किया जाए, तो इससे खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग और जैव विविधता से जुड़ी नई चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग, जैव विविधता और जीवन-चक्र उत्सर्जन को ध्यान में रखते हुए

संसद का मानसून सत्र : हंगामे के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा



सहमति से गुजरना होगा।

यही से परिसीमन का वास्तविक प्रश्न शुरू होता है। भारत में जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वाभाविक दिखाई देता है। मगर भारत जैसे विशाल और विविध देश में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर प्रतिनिधित्व तय करना अपने साथ कई दूसरे प्रश्न भी खड़े करता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन राज्यों की चिंता है कि यदि भविष्य में सीटों का पुनर्विन्यास केवल जनसंख्या के आधार पर होता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की अपनी दलील है। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में जनसंख्या का उचित प्रतिबिंब होना चाहिए। यही वह संतुलन है जिसे साधना आसान नहीं है। यदि किसी राज्य ने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना चाहिए। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को उनके वास्तविक जनसंख्या भार के अनुरूप प्रतिनिधित्व से वंचित रखना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्थायी समाधान नहीं हो सकता। समाधान दोनों के बीच संतुलन में ही संभव है। इसलिए परिसीमन का प्रश्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक मतभेद से कहीं बड़ा है। यह भारतीय संघीय व्यवस्था की संवेदनशील परीक्षा है। तमिलनाडु, केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को उत्तर प्रदेश,बिहार और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता के साथ संतुलित करना होगा। डीएमके, समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्तियों को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज

सहरीयार खान, सीपी सिंह, संजय पालीवाल, राजेंद्र पाल सिंह, सुखविंदर कौर, राजीव महर्षि, अनुपम शर्मा, हेमंत बगडवाल, मधु सांगुरी, डॉ. प्रेम बहुखंडी और दर्शन लाल समेत अन्य नेता शामिल हैं। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी में 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें राजेंद्र भंडारी, नवीन जोशी, अभिषेक सिंह, विजय गुनसोला, तेलु राम, पुष्कर जैन, राकेश लाल शाह, दीप शर्मा, मकबूल कुरेशी, अमरजीत सिंह, याकूब सिद्दीकी, राजेंद्र शाह, जसवंत सिंह चौहान, सुमितर भुल्लर, अनीता शर्मा, जयेंद्र स्मोला, संजय किरोला और राजेंद्र तोंरिया समेत अन्य नेता शामिल हैं।प्रदेश सचिव पद पर तो 107 नेताओं को विराजमान किया है,जिनके प्रदेश कार्यालय में बैठने की व्यवस्था करना भी टेढ़ी खीर होगा।सवाल यह भी है कि पदाधिकारी बने ये नेता क्या वास्तव में दम तोड़ चुकी कांग्रेस में प्राणवायु का संचार कर पाएंगे या फिर गाड़ियों पर पदों की पट्टी लगाकर सिर्फ रोब गालिब करेंगे।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक व वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संवाद

टिकाऊ तरीके से जैव ईंधन का उत्पादन और उपयोग करना आवश्यक है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और अन्य जैविक संसाधनों से ऊर्जा तैयार करना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से कच्चे तेल के आयात में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी जैसे लाभ भी सामने आए हैं। इस प्रकार जैव ईंधन केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है।

निष्कर्ष:-

अंत में यह कहना उचित होगा कि जैव ईंधन केवल पेट्रोल और डीजल का विकल्प नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण, कचरा प्रबंधन, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए इसकी संभावनाएँ और भी व्यापक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जैव ईंधन के उत्पादन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा कृषि अवशेषों और जैविक कचरे का अधिक से अधिक उपयोग ऊर्जा उत्पादन में किया जाए। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। इसलिए जैव ईंधन केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संवाद

आर्थिक दंड की व्यवस्था बनी रहेगी। पंजीकरण निलंबित या रद्द होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं की परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर भी प्रावधान प्रस्तावित हैं। इन प्रावधानों पर संसद में व्यापक चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि कानून कठोर होने के साथ निष्पक्ष और स्पष्ट भी रहे। परिसीमन और एफसीआरएर दोनों विषय अपनी प्रकृति में अलग हैं। एक देश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन से जुड़ा है। दूसरा विदेशी धन के नियमन और संस्थागत जवाबदेही से। दोनों में एक बात समान है। दोनों विषयों पर संसद में गंभीर बहस का आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि लगातार हो रहे व्यवधानों के कारण ऐसी बहस का अवसर सीमित होता जा रहा है। विपक्ष को सरकार से प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है। गंभीर आरोपों पर जवाब माँगना भी उसका दायित्व है। सरकार को विपक्ष की आपत्तियों का उत्तर देना चाहिए। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा के लिए समय देना चाहिए। मगर विरोध और व्यवधान के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है। संसद को रोक देना किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक

विजय नहीं हो सकती। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए भेजती है कि वे उसकी आवाज उठाएँ और देश के भविष्य से जुड़े कानूनों पर विचार करें। सदन की कार्यवाही बाधित होने का अर्थ है कि जनता से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा का अवसर समाप्त हो जाना। सत्ता पक्ष को भी संख्या बल का अहंकार लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। बहुमत सरकार को कानून बनाने की शक्ति देता है। बहुमत सरकार को संवाद से मुक्त नहीं करता। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संसद में कम होने के बावजूद उसकी राजनीतिक शक्ति तर्क,तथ्य और जनहित के मुद्दों से बढ़ सकती है। संसद में मजबूत विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं है। मजबूत विपक्ष वह है जो सरकार से सवाल भी करे और वैकल्पिक दृष्टि भी प्रस्तुत करे। 2029 का आम चुनाव अभी सामने नहीं है। उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अवश्य तैयार होने लगी है। परिसीमन का प्रश्न आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। महिला आरक्षण,जनसंख्या नियंत्रण और राज्यों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन साधना राजनीतिक नेतृत्व की गंभीर परीक्षा होगी। भारत की विविधता को देखते हुए किसी भी संवैधानिक बदलाव को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जा सकता। उत्तर और दक्षिण भारत की अलग-अलग जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ हैं। राज्यों की अपनी समस्याएं और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। छोटे राज्यों की अपनी चिंताएँ हैं। महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अपना महत्व है। इन सभी को एक साथ लेकर चलना ही भारतीय संघवाद की वास्तविक भावना है। इसलिए परिसीमन का समाधान टकराव में नहीं बल्कि सहमति में तलाशना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत की संवैधानिक आवश्यकता केवल संख्या का गणित नहीं है। इसके पीछे यह भावना है कि संविधान में बड़े बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति के साथ ही किए जाएँ।

अनुशासन तथा राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन के अनुरूप ही हमें/होकराना अली ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री चौधरी जयन्त सिंह तथा युवा प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि वह युवाओं, किसान तथा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर राष्ट्रीय लोकदल को अमरोहा जनपद में और अधिक मजबूत करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन में किसी व्यक्ति विशेष से बड़ा पार्टी का संविधान, अनुशासन और नेतृत्व का निर्णय होता है।

देशभक्ति गीतों से गूंजा भोलेनाथ वाटिका, सावन के गीतों पर झूमे श्रोता



चंदौसी/संभल (सब का सपना):- भारतीय मानव कल्याण समिति के तत्वावधान में विनायक मार्ग स्थित भोलेनाथ वाटिका में देशभक्ति सुर संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईटीआई प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह पाल, कवि माधव मिश्रा, सतीश चंद्र गुप्ता, रेनु कुमारी, दिनेश चंद्र वाण्येय आदि ने फीता काटकर किया। समिति प्रबंधक डॉ. टीएस पाल ने बताया कि हृदयेशभक्ति सुर संगम कार्यक्रम दो चक्रों में आयोजित किया गया। प्रथम चक्र आजादी के वीरो का वंदन को समर्पित रहा। इसमें कलाकारों ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के नायकों

और राष्ट्रप्रेम की भावना को स्वर दिया। वसुंधरा ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने ह्याआपस में प्रेम करो देश प्रेमियों, अजीत कुमार पप्पी ने होठों पर सच्चाई रहती है, धीरज भारती ने जब जीरो दिया मेरे भारत ने, प्रज्ञा वाण्येय ने हज़ाहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, आसीम खान ने ऐसा देश है मेरा, बिसौली के गगन गुप्ता ने ये देश है वीर जवानों का तथा गोपाल शर्मा साईं ने ह्दवतन पे जो फिदा होगा जैसे गीत प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। गुलशन वाण्येय ने चिट्ठी आई है बड़े दिनों के बाद गीत प्रस्तुत



किया। कार्यक्रम के दूसरे चक्र का विषय आया सावन झूम के रहा। इस दौरान कलाकारों ने कजरी, मल्हार और झूला गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। ह्दयावन का महीना पवन करे शेर, रिमझिम गिरे सावन, आया सावन झूम के, हाय हाय ये मजबूरी, लगी आग सावन की, झिलमिल सितारों का आंगन होगा, मेरे नैना सावन भादों, दिल में आग लगाए सावन का महीना और नैनो में बरसा छापे सहित कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए गए। कुछ गीत युगल कलाकारों ने भी प्रस्तुत किए, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र कुमार

वाण्येय ने किया। इस अवसर पर संयोजक सुशील कुमार भोलेनाथ, डॉ. टीएस पाल, राजेश पाल, ओमप्रकाश गुप्ता, मुकेश कुमार वाण्येय, हरीश कठेरिया, सुखपाल गौर, डॉ. जय शंकर दुबे, विपिन कठेरिया, शांति राणा, मुनेश धनगर, दिनेश चंद्र गुप्ता, हरिओम शर्मा, एसएन शर्मा, बीना वाण्येय, सुधा शर्मा, कुमुकुम वाण्येय, महेश कठेरिया, चारुल वाण्येय, दिनेश पाल सिंह, आशा बिसरिया, वीरपाल सिंह, आकाश शर्मा, राजकुमार गोयल, श्याम सुंदर दुबे, भावना वाण्येय, तुषार वाण्येय, राजवीर सिंह, राजेश कुमार, रजनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

पीतम सिंह चाहल के निधन पर हिंदू जागृति मंच ने दी श्रद्धांजलि

सम्भल(सब का सपना):- कोट पूर्वी निवासी मेंथा व्यवसायी एवं हिंदू जागृति मंच के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश चाहल के पिता पीतम सिंह चाहल के निधन पर हिंदू जागृति मंच के सदस्यों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोकसभा आयोजित की। इस दौरान स्वर्गीय पीतम सिंह चाहल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। श्रद्धांजलि सभा में आर्य विद्वान राकेश रस्तोगी ने कहा कि आत्मा अजर-अमर है और स्वर्गीय पीतम सिंह चाहल की स्मृतियां सदैव सभी का मार्गदर्शन करती रहेंगी। सुभाष चंद्र शर्मा ने परमपिता परमात्मा से चाहल परिवार



को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा

ने कहा कि वेद प्रकाश चाहल एवं नीरू चाहल अपने पिता के निधन से शोकाकुल हैं। ऐसे दुख की घड़ी में पूरा हिंदू जागृति मंच चाहल परिवार के साथ खड़ा है। इस अवसर पर

सुबोध कुमार गुप्ता, अतुल कुमार शर्मा, संतोष कुमार गुप्ता, विनोद कुमार अग्रवाल, वार्ड सभासद राजेंद्र सिंह, अंकुर रस्तोगी, सुबोध शर्मा, वैभव गुप्ता, अरविंद शंकर शुक्ला सहित चाहल परिवार के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति एवं सद्गति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर सामूहिक रूप से शांति पाठ किया। सत्य प्रकाश चाहल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार स्वर्गीय पिता की स्मृतियों को जीवनभर संजोकर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेता है।

मंडलीय जूनियर बालिका फुटबॉल टीम में चयनित, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

सम्भल(सब का सपना):- मिशन इंटरनेशनल एकेडमी की कक्षा नौ की प्रतिभाशाली छात्राएं एवं फुटबॉल खिलाड़ी अलीजा खान और इल्मा खान का चयन मंडलीय जूनियर बालिका फुटबॉल टीम में हुआ है। दोनों खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मंडलीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता के लिए दोनों खिलाड़ियों को टीम के साथ रवाना किया गया। खिलाड़ियों को रवाना करते समय संभल फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव मुहम्मद शाकिर, मिशन इंटरनेशनल एकेडमी के मैनेजर मुशीर खान, कोच यासर वकास एवं मोहम्मद



जैनुल ने अलीजा और इल्मा का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए टीम की सफलता की कामना की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य वित्सेन राजन एवं स्कूल निदेशिका शबाना कोसर ने दोनों छात्राओं की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि उनकी सफलता विद्यालय के अन्य

विद्यार्थियों को भी खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। कक्षा नौ के कक्षा अध्यापक जुनैद इब्राहिम ने भी दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने बताया कि 17 अगस्त को प्रतियोगिता से वापसी के बाद अलीजा और इल्मा को विद्यालय में सम्मानित किया जाएगा।

विद्यालय परिवार ने दोनों होनहार खिलाड़ियों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और टीम की सफलता की कामना की।

आरोग्य मेले में उमड़ी मरीजों की भीड़, 2488 लोगों को मिला मुफ्त इलाज



सम्भल (सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं 09 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 265वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 38 चिकित्सकों एवं 138 पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 2488 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1031 पुरुष, 1020 महिलाएं और 437 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेले में आयुष्मान

भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 123 लाभार्थियों के गोलडन कार्ड बनाए गए। चिकित्सकों ने बुखार के 217, चर्म रोग के 409, दमा के 348, मधुमेह के 79, नेत्र रोग के 27 तथा उच्च रक्तचाप के 88 मरीजों की जांच एवं उपचार किया। इसके अलावा अन्य रोगों से संबंधित मरीजों को भी चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। बुखार से पीड़ित मरीजों में 45



की मलेरिया तथा 22 मरीजों की डेंगू जांच की गई। जांच में सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर भी बनाए गए। जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में आशा कार्यकर्ताओं ने लोगों को सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 129 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए

परामर्श दिया गया। वहीं 49 मरीजों को के माध्यम से परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने चिकित्सा कर्मियों को मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

टप्पेबाज गिरोह का भंडाफोड़, चंदे की आड़ में बुजुर्ग महिलाओं को बनाते थे शिकार

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को रास्ता पृछने के बहाने विश्वास में लेकर आभूषण लूटने वाले पांच सदस्यीय अंतर्राज्यीय टप्पेबाज गिरोह का पदाफांश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना से संबंधित सामान बरामद किया है। गिरोह के सदस्य नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड्स के नाम पर लोगों से 50 और 100 रुपये का चंदा वसूलते थे और विश्वास कायम करने के लिए लखनऊ एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड नाम की पर्चियां देते थे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शनिवार को थाना चन्दौसी में नारायणी देवी पत्नी भगवानदास निवासी मोहल्ला सीकरी गेट, चन्दौसी, हाल निवासी आनंद विहार कॉलोनी मौलागढ़ द्वारा तहरीर दी गई थी। महिला ने बताया कि दो अज्ञात व्यक्तियों और एक महिला ने



रास्ता पृछने के बहाने उसके साथ चलना शुरू किया। एकांत स्थान पर पहुंचने के बाद आरोपियों ने मारने का भय दिखाकर उसके दोनों कानों के सोने के कुंडल जबरन लूट लिए। मामले में थाना चन्दौसी पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। रविवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए खुर्जागंठ से करेली वाले रोड पर गंगाराम पुत्र स्वर्गीय ओमकार, कल्लू राय पुत्र मोहन राय, तुलसी पत्नी कल्लू राय, राजू पुत्र स्वर्गीय ओमकार और माया पत्नी राजू

को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी एक अंतर्राज्यीय टप्पेबाजी गिरोह के सदस्य हैं, जो राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न स्थानों पर घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य अंधे व्यक्तियों के नाम पर चंदा एकत्र करने का बहाना बनाकर लोगों से संपर्क करते थे, जिससे उन पर किसी तरह का शक न हो। गिरोह में शामिल राजू

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा, डीएम-एसपी ने दिए सुरक्षा के कड़े निर्देश



बबराला/संभल (सब का सपना):- श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के द्वितीय सोमवार को इष्टित रखते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने रविवार को राजघाट-बबराला का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने कांवड़ यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-

निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर उन्हें व्यवस्थित रखा जाए। घाट एवं उसके आसपास साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था तथा सतकता को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने घाट पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की



निगरानी एवं पीए सिस्टम को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीए सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाए।

अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करें और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुनौर अवधेश कुमार, क्षेत्राधिकारी गुनौर, खंड विकास अधिकारी गुनौर कमलकांत, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बबराला अमरेश तिवारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत गांव-गांव पहुंची महिला पुलिस, बहू-बेटियों को किया जागरूक



सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत रविवार को जनपद सम्भल में महिला पुलिसकर्मियों ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने थाना क्षेत्रों में बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों की

जागरूकी दी। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को जागरूक करते हुए महिलाओं से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिस लगातार उनके संपर्क में रहकर कार्य कर रही है। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों,



स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन और पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ सुरक्षा एवं सहायता के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। पुलिस टीमों ने पंपलेट वितरित कर वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन

1930 के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मोबाइल में उपलब्ध इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न, छेड़छाड़ अथवा साइबर अपराध की स्थिति में बिना संकोच संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करें। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान से देशभक्ति के रंग में रंगे विद्यालय

रंगोली और वॉल पेंटिंग के जरिए विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और विद्यार्थियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद के परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसरों और दीवारों पर तिरंगा रंगोली, वॉल पेंटिंग तथा देशभक्ति विषयक चित्रकारी तैयार की। विद्यार्थियों ने तिरंगे, अशोक चक्र, भारत माता, स्वतंत्रता दिवस और हज्रज हिन्दू, ह्रद्वंदे मातरम् जैसे संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया। रंगोलियों में केसरिया, सफेद और हरे रंगों के साथ अशोक चक्र को प्रमुखता दी गई। कई विद्यालयों में



छात्राओं ने सामूहिक रूप से रंगोली बनाकर उसे फूलों और विभिन्न कलात्मक आकृतियों से सजाया। विद्यालयों की दीवारों पर बनाई गई वॉल पेंटिंग में तिरंगा थामे बच्चों, देशभक्ति के संदेशों और स्वतंत्रता दिवस से जुड़े चित्रों को उकेरा गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर को तिरंगे के रंगों से सजाया। इससे विद्यालयों में शिक्षा, रचनात्मकता और राष्ट्रप्रेम का सुंदर

संगम देखने को मिला। जनपद के अक्रूर जी कन्या इंटर कॉलेज चन्दौसी, एफआर इंटर कॉलेज चन्दौसी, रामायारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज चन्दौसी, इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई, शंकर भूषण शरण जनता इंटर कॉलेज सम्भल, जेयू इंटर कॉलेज सम्भल, हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज बहजोई, जेएलएम इंटर कॉलेज

सिरसी और राष्ट्र सेवा सदन इंटर कॉलेज भकरोली सहित विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित हुए। वॉल पेंटिंग में आराध्या सक्सेना, तेजस्विनी और कोमल सहित विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वहीं तिरंगा रंगोली एवं अन्य गतिविधियों में मानवी, दीक्षा, परी दीक्षित, नैना, स्वाति, खुशबू, रिया, सलोनी, हर्षिता, प्रिय, ऋतु शर्मा और ईंदिरा रस्तोगी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालयों के प्रधानाचार्य-प्रधानाचार्या एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित इन गतिविधियों से स्वतंत्रता दिवस से पहले ही विद्यालय देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आए। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को संदेश दिया।

रेलवे फाटक बंद होने पर भी डीजे पर भोले के गानों पर डांस कर एंज्वॉय करते रहे कांवड़िए

उत्कर्ष पर है कांवड़ यात्रा, शिवमय हो गया है पूरा क्षेत्र

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— भोले की भक्ति में लीन शिवभक्त कांवड़िए पूरे हर्षोल्लास के साथ अपने अपने गंतव्य को रवाना हो रहे हैं।मामूली रुकावटों को भी एंजॉय कर रहे हैं। रविवार की सुबह दस बजे बिजनौर रेलवे फाटक काफी समय तक बंद रहा।लोकियन बरेली के शिवभक्त कांवड़ियों के जत्थे ने अपने साथ चल रहे डीजे



पर बज रहे भोले के रीमिक्स गानों पर जबरदस्त डांस करना शुरू कर दिया और फाटक खुलने तक डांस करते रहे। फाटक पर खड़े वाहनों में से भी लोग उतर कर उनका डांस देखने लगे।बरेली के कांवड़ जत्थे का नेतृत्व कर रहे शिवभक्त ने नाम न छापने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी टीम के युवा प्रत्येक वर्ष हरिद्वार से डीजे कांवड़ लाते हैं।

एसडीएम व भाजपाइयों ने अलग अलग कांवड़ियों को बांटे फल व पानी

नगीना के सिद्धार्थ पेटेल पंप पर नगर पालिका ने लगाया शिविर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— नगर पालिका ने रायपुर मार्ग पर बुंदकी - बड़ापुर पर शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत और सेवा के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार और अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार, शेख शाहनवाज

खलील,सहित भाजपाइयों ने अलग अलग फल, खीरा व ठंडा पानी की बोतलें वितरित कर उनका फूल वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। बुंदकी नगीना मार्ग से गुजर रहे शिवभक्तों का नगीना अधिकारियों पालिका जनप्रतिनिधियों व भाजपाइयों द्वारा पुष्प वर्षा और फल वितरण कर

जोरदार स्वागत किया गया। उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार, नायब तहसीलदार श्याम सुंदर बैस, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार, नगर पालिका चेयरपर्सन पुत्र शेख शाहनवाज खलील, कानूनगो नीरज कुमार, लेखपाल भानु प्रताप, बेनीराम, नगर पालिका

कर्मचारी मुनीर आलम, मोहम्मद असलम,

सभासद बदर मुनीम, संजीव दात, मकसूद उस्मानी व भाजपाइयों में शिवम उर्फ लवी मित्तल, नवनीत मित्तल, संतराम सैनी, सुनील सैनी व अरुण शर्मा आदि ने कांवड़ियों को फल वी खीरे वितरित किए।

भाकियू भानू गुट ने भाग सिंह को सौंपी राष्ट्रीय मुख्य उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू भानू गुट ने भरी हुंकार

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):— ग्राम अगवानपुर स्थित मैरीलैंड पैलेस में रविवार को भारतीय किसान यूनियन भानू गुट की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानू प्रताप सिंह मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम आयोजक किसान नेता भाग सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाग सिंह को संगठन का राष्ट्रीय मुख्य उपाध्यक्ष नियुक्त किया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानू प्रताप सिंह ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन से अधिक से अधिक किसानों, मजदूरों, व्यापारियों और युवाओं को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में किसान, मजदूर, व्यापारी और अन्य वर्गों के लोग विभिन्न समस्याओं से परेशान हैं। किसानों की समस्याओं को लेकर



संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के कार्यकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय गेहूँ का मूल्य और सरकारी कर्मचारियों के वेतन में जो अनुपात था, आज उसमें काफी अंतर आ गया है। उन्होंने किसानों की आर्थिक स्थिति को लेकर सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए। भानू प्रताप सिंह ने कहा कि संगठन किसानों के हितों

के लिए संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने युवाओं से एकजुट होकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के लोगों को मिलकर किसानों और आमजन के अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए। नवनियुक्त राष्ट्रीय मुख्य उपाध्यक्ष भाग सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा के

किसानों का बक्बर शेर ठाकुर भानु प्रताप सिंह हमेशा किसानों की हकों की लड़ाई काफी लम्बी समय से लड़ते चले आ रहे हैं। किसानों की प्रति उनकी मेहनत को देखते हुए मैंने आज भाकियू भानू की सदस्यता ली है। और मैं आगे चलकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लेता हूं। सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं संगठन समीक्षा प्रभारी उत्तर प्रदेश वीरेंद्र गुर्जर प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योगेश प्रताप सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव अधना, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. निर्दोष गुर्जर, बिजनौर जिलाध्यक्ष अचल शर्मा, युवा जिलाध्यक्ष विकुल चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा देशवाल, जिला प्रभारी विनोद कुमार, जसमीत सिंह, रूपक ठाकुर, दानिश पाशा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बेंगलुरु में हृदय गति रुकने से युवक की मौत, शव पहुंचते ही मचा कोहराम

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मद अलीपुर चौहड़ निवासी 46 वर्षीय शफीक अहमद पुत्र शौकत का शुक्रवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। रविवार को मृतक का शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के घर पर सात्वना देने के लिए ग्रामीणों और परिचितों का तांता लग गया। परिजनों के अनुसार शफीक अहमद पिछले करीब चार वर्षों से बेंगलुरु में रहकर बाइक से फेरी का काम करता था। बताया गया कि वह बेकरी के सामान



की फेरी कर परिवार का पालन-पोषण करने में सहयोग करता था। शुक्रवार को बेंगलुरु में अचानक

उसकी तबीयत बिगड़ गई। हृदय गति रुकने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में

शोक की लहर दौड़ गई। परिजन शव को लेकर रविवार को गांव पहुंचे। शव के गांव पहुंचते ही मृतक के घर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

आसपास के लोगों ने मृतक के परिजनों को ढाढ़स बंधाया और दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। रविवार देर शाम नमाज-ए-असर के बाद मृतक शफीक अहमद को के गे की कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। मृतक की मौत से गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

पिकअप पलटने से 29 लोग घायल, 7 को कानपुर रेफर

बिन्दकी के कुर्ई के पास ब्रेक-स्टीयरिंग फेल होने से हुआ हादसा



फतेहपुर (सब का सपना):— जनपद के थाना बिन्दकी क्षेत्र के ग्राम कुर्ई के पास रविवार सुबह करीब 9 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। प्रतापगढ़ दर्शन को जा रही पिकअप वदर71 इळ 5211 अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे में सवार 29 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, घायलों में बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। सूचना मिलते ही बिन्दकी पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों

को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज फतेहपुर भेजा गया। डॉक्टरों ने 7 घायलों की हालत में सिर पर चोट देखकर उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि बाकी घायलों की स्थिति स्थिर है और अभी कोई भी अत्यधिक गंभीर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी निधि गुला वत्स और पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक



मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने घायलों से बात की, इलाज की जानकारी ली और डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के निर्देश दिए। कानपुर हैलट भेजे गए घायलों के इलाज के लिए वहां के डॉक्टरों से भी समन्वय स्थापित किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घायल लोग ग्राम कुर्ई, थाना बिन्दकी से मनागढ़, जनपद प्रतापगढ़ दर्शन के लिए जा रहे थे। पिकअप के मालिक और

चालक साहिल भी वाहन में सवार थे और उन्हें भी चोटें आई हैं। चालक साहिल ने पुलिस को बताया कि चलते समय अचानक स्टीयरिंग और ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया, जिसकी वजह से वाहन बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गया। हालांकि दुर्घटना के असली कारणों की पुष्टि वाहन के तकनीकी परीक्षण और घटनास्थल के निरीक्षण के बाद ही हो पाएगी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

गंगा में उफान, दो दर्जन गांवों में बाढ़ जैसे हालात

संपर्क मार्गों पर कई फीट पानी, ट्रैक्टर के सहारे आवाजाही को मजबूर ग्रामीण



बिजनौर (सब का सपना):— पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से बिजनौर के खादर क्षेत्र में बाढ़ के हालात गंभीर होते जा रहे हैं। जलौलपुर ब्लॉक के करीब दो दर्जन गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। कई गांवों के चारों तरफ पानी भर जाने से वे टापू में तब्दील हो गए हैं। आबादी के बाहरी हिस्सों में स्थित कई घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। संपर्क मार्गों पर कई फीट पानी बहने के कारण ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। कई स्थानों पर ग्रामीण निजी ट्रैक्टरों के सहारे आवागमन करने को मजबूर हैं। बाढ़ के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त नजर आ रहा है। बिजनौर के जलौलपुर खादर क्षेत्र में गंगा के बढ़ते जलस्तर ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रात से गंगा के जलस्तर में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद खेतों में भरा पानी अब आबादी की ओर बढ़ने लगा है। जलौलपुर ब्लॉक के करीब दो दर्जन गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। गांवों के चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है।



कई गांवों में आबादी के बाहरी हिस्सों तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है, जबकि कुछ घरों में पानी घुसने की भी जानकारी सामने आई है। सलेमपुर खादर-जलौलपुर संपर्क मार्ग पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया है, जिसके चलते देर रात से यह मार्ग आवागमन के लिए बंद है। बाढ़ के पानी के कारण सलेमपुर खादर, फैजीपुर, महमूदा खादर, सादाबाद, मोरापुर, सीकरी, बलिया नंगली, धीवरपुरा, बीरोपुर, जलौलपुर, छाछरी मोड़ और विजयनगर समेत एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है। छाछरी मोड़ से जलौलपुर का सीधा संपर्क भी बाधित हो गया

है। वहीं कई गांवों के संपर्क मार्गों पर पानी भरने के कारण ग्रामीणों के लिए ट्रैक्टर ही आवाजाही का प्रमुख साधन बना हुआ है। बाढ़ की भयावह तस्वीर सलेमपुर खादर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर विजयनगर गांव के डेरों में भी दिखाई दे रही है। यहां चारों तरफ कई फीट पानी जमा है और पूरा इलाका बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। चारों तरफ पानी भरा होने के कारण ग्रामीण अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के कारण आने-जाने के रास्ते बंद हो गए हैं। बच्चों का स्कूल जाना प्रभावित हो गया है, जबकि रोजमर्रा का सामान और राशन लाने में भी काफी परेशानी का

स्योहारा में ताज कंफेक्शनरी होलसेल की शॉप का भव्य शुभारंभ

शहर इमाम मौलाना कामिल कासमी व सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने फीता काटकर किया उद्घाटन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):— धामपुर रोड पर स्थित अमित टॉकीज के निकट पारस हॉस्पिटल के सामने ताज कंफेक्शनरी का उद्घाटन किया गया। शहर इमाम मौलाना कामिल कासमी और सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। प्रतिष्ठान के स्वामी जीशान खान, पुत्र हाफिज इकरार अहमद ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। जीशान खान ने बताया कि ताज कंफेक्शनरी पर ग्राहकों को थोक और फुटकर दोनों दरों पर सामान उपलब्ध कराया जाएगा। यहां टॉफी, बिस्किट,



नमकीन, कुरकुरे, चिप्स जैसे बच्चों के खाद्य पदार्थों के साथ-साथ शेंपू, तेल, साबुन और सर्फ जैसी दैनिक उपयोगी वस्तुएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त, गगन तंबाकू, सिगरेट और बीड़ी जैसे उत्पाद भी थोक एवं फुटकर दरों पर मिलेंगे।

खान ने बताया कि इस प्रतिष्ठान का मुख्य उद्देश्य आसपास के दुकानदारों और आम ग्राहकों को उनकी जरूरत का विभिन्न प्रकार का सामान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इससे थोक खरीदारी और फुटकर ग्राहकों दोनों को सुविधा मिलेगी।

राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में मनीष कुमार ने किया स्योहारा का नाम रोशन

10 मीटर इंडिविजुअल स्पर्धा क्वालीफाई कर बने आधिकारिक राज्य स्तरीय शूटर, राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना लक्ष्य

बिजनौर (सब का सपना):— उत्तराखंड राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ा निवासी युवा मनीष कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर इंडिविजुअल स्पर्धा क्वालीफाई कर ली। इस उपलब्धि के साथ वह आधिकारिक रूप से राज्य स्तरीय शूटर बन गए हैं। उनकी सफलता से गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मनीष कुमार शिक्षामित्र जयपाल सिंह के पुत्र हैं। वह देहरादून स्थित ग्राफिक एण्ड मेडिकल कॉलेज में मार्केटिंग एंजीन्यूटिव के पद पर कार्यरत होने



के साथ लोकमणि डिग्री कॉलेज स्योहारा से बीएससी की पढ़ाई भी कर रहे हैं। नौकरी और पढ़ाई की व्यस्तता के बावजूद वह प्रतिदिन दो

से तीन घंटे शूटिंग का अभ्यास करते हैं। मनीष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच पूर्व सैनिक दिनेश चंद्र, गुरु एवं मित्र गोविंद त्यागी तथा

परिवार को दिया। उन्होंने बताया कि कोच ने शूटिंग की तकनीकी बारीकियों के साथ मानसिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। पिता जयपाल सिंह, माता और पत्नी वर्षा रानी ने भी उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया। कोच दिनेश चंद्र ने मनीष को अनुशासित और मेहनती खिलाड़ी बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मनीष का अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर देश का प्रतिनिधित्व करना और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उनकी उपलब्धि पर ग्रामीणों, मित्रों और सहकर्मियों ने बधाई दी है।

नजीबाबाद बेसिक शिक्षा विभाग में सरकारी आदेशों की अवहेलना



नियम विरुद्ध बैठक की फिर भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई न किया जाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के मंडावली थाना क्षेत्र के टांडा रतन प्राथमिक विद्यालय में बैठक

विद्यालय समय में हुई थी जिससे छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन कार्य प्रभावित हुआ। जिसके विषय में सूचना मिलते ही एक पत्रकार साथी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना से बातचीत की जिसमें उन्होंने कहा था कि मामले की जांच करा कर दोषी पाए जाने पर



अध्यापक गणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी लेकिन लेकिन अब तक कार्यवाही ना होना यह दशातों है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी का उक्त शिक्षकों को अभयदान दे दिया गया है जिसको लेकर क्षेत्रीय लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

नाम न छापने की शर्त पर कई राजनीतिक सामाजिक व्यक्तियों ने कहा कि इस विषय को उच्च अधिकारियों एवं शासन को पत्र भेजकर मामले से अवगत कराते हुए खंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

एन.आर. ग्लोबल स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन



गुलावठी/ बुलंदशहर(सब का सपना):- एन.आर. ग्लोबल स्कूल में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर किंडरगार्टन विंग के नर्सरी, एलकेजी एवं यूकेजी के नन्हे-मुन्हे विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक महाशिवरात्रि समारोह मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को महाशिवरात्रि के महत्व, भगवान शिव की महिमा तथा इस पर्व को मनाने के कारणों के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी। बच्चों को भगवान शिव के प्रमुख धामों एवं ज्योतिर्लिंगों जैसे महाकालेश्वर, सोमनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर एवं वैद्यनाथ धाम आदि के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने महाशिवरात्रि से संबंधित गीत एवं आकर्षक गतिविधियों में भाग लिया। कांवड़ यात्रा और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा को भी बच्चों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना था। कार्यक्रम को सफल बनाने में खुशबू मैम, दीक्षा मैम, संतोष मैम, सोनिका मैम, नेहा मैम, तान्या मैम एवं तनु मैम का विशेष योगदान रहा। प्रधानाचार्या डॉ. आरती चपराना ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों एवं शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना की। वहीं निदेशक डॉ. विनय खारी ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षिकाओं को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

धोखाधड़ी मामले में 8 साल से फरार घोषित अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी-जेल बेल एंड प्रोक्लेमड ऑफ़िडर्स सेल की टीम ने धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे घोषित अपराधी (पीओ) को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मन्मीत सिंह (46)



पुत्र जसवीर सिंह, निवासी हरि नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। द्वारका जिले के डीसीपी कुशल पाल सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर नंबर 201/2016, थाना द्वारका साउथ में धारा 420/406/174ए आईपीसी के तहत मामला दर्ज था। मुकदमे की सुनवाई से लगातार बचने के कारण अदालत ने 29 सितंबर 2018 को उसे घोषित अपराधी (पीओ) घोषित कर दिया था। डीसीपी कुशल पाल सिंह के निर्देश पर फरार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसीपी ऑपरेशंस सुभाष मलिक की निगरानी में इंस्पेक्टर हरीश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम में हेड कांस्टेबल राहुल यादव नंबर 532/डीडब्ल्यू और हेड कांस्टेबल कुलवंत नंबर 681/डीडब्ल्यू शामिल थे। पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मन्मीत सिंह हरि नगर इलाके में रह रहा है। सूचना पर टीम ने हरि नगर में जाल बिछाकर आरोपी को दबोच लिया। इसके बाद उसे धारा 35.1(डी), थाना बिंदापुर के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मन्मीत सिंह वर्ष 2018 से अदालत की कार्यवाई से बच रहा था।

पुलिस थाने में पहुंचे जनता के बीच अफसर, मौके पर सुनी समस्याएं और कराया त्वरित समाधान



एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की ह्दयात्ता दिवस-जनसुनवाई पहल के तहत शनिवार को राजधानी के विभिन्न थानों में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिकों की 368 शिकायतें और समस्याएं सामने आईं। दिल्ली पुलिस के अनुसार सभी 368 शिकायतों का समाधान कर दिया गया। उपराज्यपाल दिल्ली सरदार तरनजीत

सिंह संघ के निर्देश पर जून 2026 में शुरू की गई इस पहल को पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम लोगों को पुलिस अधिकारियों तक सीधे पहुंच उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। वरिष्ठ अधिकारियों ने थानों में बैठकर सुनी जनता की फरियाद 8 अगस्त

फायरिंग का आरोपी पिस्टल और दो कारतूस समेत गिरफ्तार, 13 मुकदमों का है दागी इतिहास

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना) :- जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले में वांछित आरोपी को अगौता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत 13 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, छह अगस्त को सेगाजगतपुर निवासी जयकरण ने थाना अगौता में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उसे जान से मारने की नीयत से



फायरिंग की। मामले में पुलिस ने मुकदमा संख्या 163/26 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की

तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में आठ अगस्त को अगौता पुलिस टीम ने खेड़ी तिराहे के पास से निशान चौधरी उर्फ नीशु पुत्र सोमवीर सिंह निवासी सेगाजगतपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का अपराधिक इतिहास भी लंबा है। उसके खिलाफ अगौता और औरंगाबाद थानों में हत्या के प्रयास, घर में घुसकर हमला, मारपीट, धमकी, अवैध हथियार रखने, आबकारी अधिनियम और उत्तर प्रदेश गिरोहबंद अधिनियम समेत 13 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2019 का हत्या के प्रयास का मुकदमा और गैंगस्टर एक्ट का मामला भी शामिल है।

श्री मैट्ट राजपूत स्वर्णकार समाज समिति ने लगाया 12वां विशाल कांवड़ सेवा कैप



खुर्जा/ बुलंदशहर (सब का सपना):- श्री मैट्ट राजपूत स्वर्णकार समाज समिति (रज.) खुर्जा द्वारा वैद्य यज्ञदत्त शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में 12वें विशाल श्री शिव कांवड़ सेवा कैप का आयोजन किया गया। कैप का शुभारंभ विधायक मीनाक्षी सिंह, भाजपा नेत्री रंजना गौतम, एसडीएम सखेंद्र कुमार सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना कर किया। कांवड़ियों के लिए विश्राम, स्नान, प्राथमिक उपचार, दवाइयां, अल्पाहार एवं भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गई। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिलाध्यक्ष डी.सी. गुप्ता काटि वाले ने समिति के सेवा कार्य की सराहना की। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा ही भगवान शिव की सच्ची आराधना है।

पानी के टब में मिली महिला की लाश, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

पति पर हत्या का आरोप, परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर (सब का सपना):- जगपद के थाना कोतवाली क्षेत्र में शालिनी यादव नामक महिला अपने आवास पर पानी के टब में मृत अवस्था में पाई गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और विधिक कार्यवाही शुरू की। थाना कोतवाली पुलिस को शनिवार को सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त महिला पानी के टब में मृत पड़ी है। प्रारंभिक जांच में मृतका के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिसमें फिर एवं पैर पर चोट के निशान शामिल हैं। घटना के संबंध में मृतका के पति के विरुद्ध



आरोप लगाए गए हैं। मृतका के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए रविवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर

डिवाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सतर्क है। रविवार को कांवड़ मार्ग पर भ्रमण कर रहे क्षेत्राधिकारी डिवाई मधूप कुमार सिंह की नजर वाहन की छत पर बैठे कांवड़ियों पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल वाहन रुकवाकर सभी कांवड़ियों को सुरक्षित नीचे उतरवाया। इसके बाद सीओ ने उन्हें वाहन के ऊपर बैठकर यात्रा करने के खतरों के बारे में समझाया। सीओ ने कांवड़ियों को बताया कि वाहन की छत या ऊपर बैठकर यात्रा करना बेहद जोखिमभरा



है। अचानक ब्रेक लगने, वाहन के असंतुलित होने अथवा किसी अन्य हादसे की स्थिति में गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से एवं परिस्थितियों की गहनता से जांच हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस द्वारा घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों एवं उपलब्ध तथ्यों का संकलन किया जा रहा है। घटना किन परिस्थितियों में हुई इस संबंध में सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। प्रकरण में विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित है। मौके पर क्षेत्राधिकारी खागा, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली सहित अन्य स्थानीय अधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद रहे।

6.20 लाख रुपये नकद, ताश की गड़ियां, सट्टा पर्चियां और अन्य सामान बरामद

भलस्वा डेयरी में जुए के अड्डे पर पुलिस का बड़ा छापा, 22 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले में पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ बड़ी कार्यवाई करते हुए भलस्वा डेयरी इलाके में चल रहे जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया है। एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ने 9 अगस्त की तड़के मुकुंदपुर स्थित एक मकान पर छापा मारकर 22 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से करीब 6.20 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी शोभित डी सक्सेना ने बताया कि एंटीशनल डीसीपी अमित कौशिक के नेतृत्व और इंस्पेक्टर गौरव चौधरी की निगरानी में टीम ने मकान की घेराबंदी कर सभी रास्तों को बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अचानक दबिश दी। कार्यवाई के दौरान कुछ लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सभी 22 आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, जुए के अड्डे के प्रमुख संचालकों में बताए जा रहे



देव और गुप्ता जी को भी नकदी लेकर भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। मौके से नकदी के अलावा ताश की गड़ियां, नंबर बोर्ड, सट्टा पर्चियां और जुए में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया



है कि यह परिसर करीब एक साल से जुए के अड्डे के रूप में संचालित किया जा रहा था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर जुए के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी में जुटी है।

डीएम-एसएसपी ने लिया कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा



कांवड़ियों से की बातचीत, दिलाया सुरक्षा का भरोसा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने शनिवार दर शाम स्टेट हाईवे स्थित खानपुर मोड़ पर कांवड़ यात्रा की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कांवड़ियों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और यात्रा की सकुशल पूर्णता की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कांवड़ सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बालिका भुवि सिंघेल से पढ़ाई एवं खेलकूद की जानकारी लेकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वाहन की छत पर बैठे कांवड़ियों को पुलिस ने उतारा, सीओ ने समझाया सुरक्षा का पाठ

वाहन की छत पर बैठे कांवड़ियों को सीओ ने उतारा,

यातायात नियमों का पालन करने और यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जानकारी दी। साथ ही किसी दुर्घटना, विवाद या आपात स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद लेने को कहा। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस कांवड़ मार्गों पर लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षित यात्रा पुलिस की प्राथमिकता है और नियमों का उल्लंघन करने वालों को जागरूक भी किया जा रहा है।

गोरखनाथ खन्ना ने दोनों संस्थाओं से दिया त्यागपत्र

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पंजाबी महावीर मंदिर व लॉटल फ्लावर चिल्ड्रन स्कूल के अध्यक्ष के अध्यक्ष गोरखनाथ खन्ना ने दोनों संस्थाओं के अध्यक्ष पद समेत सभी पदों से त्यागपत्र दे दिया है। दोनों संस्थाओं के उपाध्यक्ष को दिए गए त्यागपत्र में गोरखनाथ खन्ना पुत्र नंदलाल खन्ना ने रविवार को दिए गए त्यागपत्र में कोई कारण नहीं बताया है। बस इतना लिखा है कि 9 अगस्त 2026 से उनका दोनों संस्थाओं से किसी प्रकार से कोई संबंध नहीं रहेगा।

नगर क्षेत्र की सफाई की कमान ईओ सतीश कुमार ने खुद संभाली

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करने के लिए स्वयं कांवड़ मार्ग सफाई कराई। श्रद्धालुओं से मार्ग को स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त रखने की अपील की। ईओ सतीश कुमार ने नगर पालिका की टीम को चौबीसों घंटे मार्ग की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने इस अवसर पर स्वच्छता अभियान को बढ़ावा दिया। उन्होंने स्वयं कांवड़ मार्ग पर श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया और नगरवासियों तथा श्रद्धालुओं से मार्ग को स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त रखने की अपील की।

चिकित्सा विशेषज्ञता के साथ जन-जागरूकता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा पर किया जागरूक

बाल चिकित्सा सर्जरी में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. शिल्पा शर्मा को बिजनेस आइकॉन अवॉर्ड-2026

एजेंसी

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग की प्रोफेसर शिल्पा शर्मा को बाल चिकित्सा सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ह्यबिजनेस आइकॉन अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से यह सम्मान प्रेस क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। यह सम्मान प्रो. शर्मा के बाल चिकित्सा सर्जरी के क्षेत्र में योगदान के साथ-साथ जनस्वास्थ्य

शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी मान्यता देता है। अकादमिक, चिकित्सकीय शोध एवं जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से वह जटिल चिकित्सा जानकारीयों को आम लोगों के लिए उपयोगी और व्यवहारिक बनाने पर लगातार जोर देती रही हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रो. शर्मा ने जन स्वास्थ्य जागरूकता सत्र में व्यक्तिगत स्वच्छता, बच्चों के टीकाकरण और भारत में निश्वसित वैक्सीनेशन शेड्यूल के पालन के महत्व पर प्रकाश डाला।



उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण और बचाव संबंधी उपाय बच्चों में गंभीर बीमारियों और मृत्यु के जोखिम

को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कुत्ते, चूहे और बंदर के काटने जैसी घटनाओं में बचाव



एवं प्राथमिक उपचार के बारे में भी जानकारी दी और संभावित गंभीर संक्रमण से बचने के लिए समय पर

चिकित्सकीय सहायता लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. शर्मा ने अंगदान और अंग प्रत्यारोपण के

महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने अल्प धिक शराब के सेवन से होने वाली लिवर संबंधी गंभीर बीमारियों तथा अंगों की उपलब्धता में कमी को और ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अंगदान कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे सकता है। कार्यक्रम में बच्चों की चोटों से बचाव और सड़क सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रो. शर्मा ने बच्चों एवं युवाओं के लिए हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई

उन्होंने आम लोगों से बेसिक सीपी आर प्रशिक्षण लेने की अपील करते हुए कहा कि आपात स्थिति में समय पर दी गई प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जागरूकता सत्र में सक्रिय भागीदारी की और विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा की। इस दौरान चिकित्सा विशेषज्ञता की आम जनता तक सरल और उपयोगी जानकारी के रूप में पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।



इन्फ्लुएंसर्स को एक्टिंग मिलने की बहस पर बोलीं निहारिका

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में मौका दिए जाने को लेकर अवसर बहस होती रहती है। कुछ लोग इसे टैलेंट का विस्तार मानते हैं, तो कुछ इसे संघर्ष कर रहे कलाकारों के साथ नाइसफाई बताते हैं। लेकिन करोड़ों फॉलोअर्स वाली डिजिटल स्टार और अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही निहारिका हरुइस पूरी बहस को एक ही लाइन में खत्म कर देती हैं - 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... दुनिया अनफेयर है, अपना गेम खेलो।' चेन्नई में जन्मी और बंगलुरु में पली-बढ़ी निहारिका ने अपने अलग अंदाज के कॉमिक कंटेंट से डिजिटल दुनिया में खास पहचान बनाई है। वह 'फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30' में जगह बना चुकी हैं और 'फोर्ब्स की शीर्ष डिजिटल स्टार्स' की सूची में भी शामिल रह चुकी हैं। उन्होंने राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया है।

‘मुझे स्क्रिप्ट देखकर लगा, दर्शक होती तो यह फिल्म जरूर देखती’
निहारिका बताती हैं कि फिल्म का ऑफर मिलते ही उन्हें इसकी कहानी पसंद आ गई। वह कहती हैं, 'मुझे स्क्रिप्ट बहुत अच्छी लगी। डायरेक्टर बहुत

अच्छे लगे और पूरी टीम यंग और फ्रेश थी। राघव भी थे, इसलिए पूरा पैकेज ही एक्साइटिंग था। मैं हमेशा दर्शक के नजरिए से सोचती हूँ। अगर मैं खुद ऑडियंस होती, तो क्या यह फिल्म देखने जाती? जब इसका जवाब 'हां' था, तभी मैंने फिल्म करने का फैसला लिया।'

राघव जुयाल उड़ाते हैं मेरी इंग्लिश का मजाक

सेट पर माहौल कैसा रहता था? इस सवाल पर निहारिका हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, 'राघव मेरी इंग्लिश और मेरे एक्सेंट का बहुत मजाक उड़ाता है। वैसे जब कोई साउथ से आता है तो लोग ऐसी चीजों पर मजाक कर ही लेते हैं। लेकिन यह सब बहुत पॉजिटिव तरीके से होता है। फिर मैं भी उसे छोड़ती नहीं हूँ। हम दोनों एक-दूसरे की खूब खिचाई करते थे। इसी वजह से सेट का माहौल हमेशा हल्का और मजेदार बना रहता था।'

सोशल मीडिया स्टार्स को फिल्में क्यों मिलती हैं? मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता'
इंडस्ट्री में सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर

कार्टिंग होने की बहस पर निहारिका ने बेबाकी से अपनी राय रखी। वह कहती हैं, 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन क्या सोचता है। अगर मैं 10 साल से मेहनत कर रही हूँ और मुझे अच्छी फिल्म मिल रही है तो मैं जरूर करूंगी। अगर अनफेयर की बात हो रही है, तो दुनिया ही अनफेयर है। इसे बदल नहीं सकते, इसलिए उसी हिसाब से अपना गेम खेलना चाहिए। अगर किसी को सोशल मीडिया से दिक्कत है तो वह भी सोशल मीडिया बना ले। मेरे बारे में कोई कुछ भी बोले, उसका ओपिनियन अपनी जगह सही हो सकता है। मैं लोगों की राय समझती हूँ, लेकिन आखिर मैं करूंगी वही जो मुझे सही लगता है।'

हमारे पास बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता

डिजिटल स्टार होने की वजह से लोगों की उम्मीदें भी अलग होती हैं। इस पर निहारिका कहती हैं, 'हर कदम पर खुद को साबित करना पड़ता है। हमारे पास सबके सामने बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता। दूसरे लोगों को कई मौके मिल जाते हैं... लेकिन बाहर से आने वालों के लिए ऐसा नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा बहुत सजग रहती हूँ। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं कुछ न कुछ रास्ता निकाल ही लूंगी। मैंने पांच भाषाएं सीखी हैं, इसलिए कहीं न कहीं काम जरूर मिल जाएगा।'

साउथ और हिंदी इंडस्ट्री में बड़ा फर्क नहीं

साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर निहारिका का नजरिया काफी सहज है। वह कहती हैं, 'सच बताऊं तो मुझे कोई बहुत बड़ा फर्क महसूस नहीं हुआ। बस भाषा अलग है और थोड़ा-सा कल्चर बदल जाता है। अच्छी कहानियाँ और अच्छा काम अब भाषा और बॉर्डर नहीं देखते। मुझे जहाँ भी अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, वहाँ का अनुभव शानदार रहा। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं आज भी अपने काम को उतना ही एंजॉय करती हूँ।'



मुकदमे ने बर्बाद कर दिए बेहतरीन साल

एक्ट्रेस जिया ने 2013 में सुसाइड कर लिया था। इसकी वजह से कई साल तक सूरज पंचोली पर मुकदमा भी चला। अब सूरज ने इस मामले में अपना पक्ष फैंस के सामने रखा और उनसे अपील भी की है। अभिनेता सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सभी मीडिया संस्थानों से निवेदन है। कृपया स्पष्ट करें कि आपके किन सवालों के जवाब नहीं मिले और कृपया अपने तथ्यों की जांच सही तरह करें। मैंने 14 साल तक चले मुकदमे का सामना किया। मामला तथ्यों, सबूतों और कानून के आधार पर तय किया गया था। मुझे बरी कर दिया गया था, और कानूनी कार्यवाही से संबंधित कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका जवाब न मिला हो। अदालत के सभी रिकॉर्ड और मुकदमे की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में कोई राय बनाने से पहले फैक्ट को समझना चाहता है, वह उन्हें देख सके।' अपनी पोस्ट में सूरज ने आगे लिखा, 'जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बड़ा अपने अंदर कैसे दबा सकता है। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।' इसके बाद उन्होंने बताया, 'जिया के सम्मान के कारण, मैंने कभी भी सार्वजनिक रूप से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की जो उन्होंने मुझसे साझा की। मैंने अपने साथ हुए हर कष्ट के बावजूद उनकी निजता को सुरक्षित करना चुना। मैं बदले में केवल यही निष्पक्षता और सम्मान चाहता हूँ।' अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, 'मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था। इसके बजाय, मैं एक ऐसे मुकदमे के बोझ तले जी रहा था जिसने मेरे बौद्धिक और तीसरे दशक के एक बड़े हिस्से को बर्बाद कर दिया। सिर्फ मैं ही जानता हूँ कि हर दिन मेरे मन और दिल में क्या बीज रहता था। कानून की अदालत ही एकमात्र ऐसी जगह थी जहाँ मैं अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था।



मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, 'मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेंजिलिएंस मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा, 'शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेंजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टैबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।' अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के

लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था।' एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।' बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिव शुकला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शोदी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

'आवारापन-2' के जरिए इमरान हाशमी की दमदार वापसी

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन-2' के मेकर्स ने गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर के जरिए अभिनेता इमरान हाशमी ने शिवम के किरदार से वापसी की है। 1 मिनट 25 सेकंड का ट्रेलर उन सभी दर्शकों के सवालों का जवाब देता है जो 2 दशकों से 'आवारापन' को पसंद करते आए थे। इस बार शिवम के अंदर पहले से ज्यादा दर्द, गुस्सा और एक ऐसा मकसद है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। ट्रेलर में शिवम के बदले और माफ़ी की दुनिया देखने को मिलती है। इसमें शिवम के चेहरे पर भारी जख्म देखने को मिल रहे हैं।

इमरान का ये परफॉर्मेंस याद दिलाता है कि ये किरदार 20 साल से लोगों के दिलों में क्यों बसा हुआ है। फिल्म में शबाना आजमी, दिशा पाटनी, पुराण गव्ही, अनिरुद्ध रावल, सुरेंद्र विक्की, विजयंत कोहली और अतुल कुमार भी अहम रोल में हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी जारा के किरदार में फिल्म में नजर आई हैं, जो कहानी में एक नई कड़ी या इमोशनल डायमेंशन लेकर आती हैं। शबाना आजमी नफीसा के रोल में हैं। दमदार एक्शन से भरपूर फिल्म में म्यूजिक भी कमाल का है, जिसने 'आवारापन 2' की कहानी को गहराई से छुआ है।

कियारा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा कुरैशी



शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता

है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेगी। उनका इशारा इस बात की तरफ था कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, धिना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

‘टॉक्सिक’ के बारे में
इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

कियारा की हो रही ट्रोलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोलर्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।



दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है 'स्ले टू द रिदम'

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को सैजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

'वैपियंस' और 'लॉवड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है।

जब से इसकी पहली झलक आनंद ले रहे हैं। नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं। नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए बातचीत में कहा, 'यह एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।' उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा। डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सर्र कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।' म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है। नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।